



पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड की वित्तीय
वर्ष 19-20 की पहली तिमाही की
कांफ्रेंस कॉल
14 अगस्त, 2019



प्रबंधन: पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन की टीम:-

- | | |
|-----------------------|-----------------------------|
| - श्री राजीव शर्मा | - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक |
| - श्री एन. बी. गुप्ता | - निदेशक (वित्त) |
| - श्री पी. के. सिंह | - निदेशक (वाणिज्यिक) |
| - श्री आर. एस. ढिल्लो | - निदेशक (परियोजना) |

संचालक: सुश्री श्वेता दत्तसदार - प्रभुदास लीलधर प्राइवेट लिमिटेड



संचालक

देवियों और सज्जनों, नमस्कार और प्रभुदास लीलाधर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड की वित्तीय वर्ष 19-20 की पहली तिमाही की अर्निंग्स कॉन्फ्रेंस कॉल में आपका स्वागत है। आपको याद दिला दें कि सभी प्रतिभागी लाइनें केवल श्रवण मोड में रहेंगी। और प्रस्तुति समाप्त हो जाने के बाद आपको प्रश्न पूछने का अवसर मिलेगा (संचालक के अनुदेश) कृपया नोट करें कि यह कॉन्फ्रेंस रिकार्ड की जा रही है। मैं अब प्रभुदास लीलाधर प्राइवेट लिमिटेड से सुश्री श्वेता दपतरदार को कॉन्फ्रेंस सौंपता हूँ। धन्यवाद और, कृपया, मैडम आप संचालन संभालें।

श्वेता दपतरदार, विश्लेषक

धन्यवाद, महोदय। प्रभुदास लीलाधर की ओर से, मैं विद्युत वित्त निगम की वित्तीय वर्ष 20 की पहली तिमाही की अर्निंग कॉल में आप सब का स्वागत करती हूँ हमारे साथ श्री राजीव शर्मा, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, श्री एन. बी. गुप्ता, निदेशक - वित्त, श्री पी. के. सिंह, निदेशक - वाणिज्यिक, श्री आर. एस. ढिल्लो, निदेशक परियोजना के प्रतिनिधित्व में प्रबंधन उपस्थित हैं। मैं, अब प्रारंभिक टिप्पणियों के लिए कॉल प्रबंधन को सौंपती हूँ, जिसके पश्चात हम मंच को प्रश्नोत्तर के लिए खोल सकते हैं। श्रीमान् कृपया कॉल लें।

राजीव शर्मा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

बहुत-बहुत धन्यवाद। सभी को नमस्कार। मैं इस कॉन्फ्रेंस कॉल में आप सबका स्वागत करता हूँ। हमने वित्तीय वर्ष 19-20 की पहली तिमाही में पी. एफ. सी. के निष्पादन को आपके साथ बांटने के लिए इस कॉन्फ्रेंस कॉल का आयोजन किया है।

- सर्वप्रथम, एन. बी. एफ. सी. की नकदी की स्थिति पर विभिन्न सूचनाओं को ध्यान में रखते हुए, मैं आपसे यह बांटना चाहूंगा कि:-
 - पी.एफ.सी. की नकदी की स्थिति सुविधाजनक है। पी. एफ. सी. की उच्च साख योग्यता और सुदृढ़ बुनियादी बातों के साथ, हमें घरेलू और विदेशी दोनों बाजारों से निधियां प्राप्त करने में किसी कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ा।
 - तिमाही के दौरान, पी. एफ. सी. ने लगभग 31,700 करोड़ रूपए जुटाए।
- मिश्रित बांडों, वाणिज्यिक प्रपत्रों और बैंकों से सावधि ऋणों के जरिए प्रतिस्पर्धात्मक दर पर घरेलू मार्केट से 22,700 करोड़ रूपए जुटाए गए।



- इसके अतिरिक्त, पहली तिमाही, 19 से पी. एफ. सी. के 54 ई. सी. पूंजी बॉण्ड पोर्टफोलियो का तीन गुणा हैं। 54 ई. सी. बॉण्ड 5.75 प्रतिशत के कूपन पर पी. एफ. सी. को उपलब्ध निम्न लागत वाले विधिकरण स्रोत हैं। आने वाले वर्षों में, हम 54 ई. सी. बॉण्ड पोर्टफोलियो में वृद्धि की आशा करते हैं।
- विदेश मुद्रा मोर्चे पर -
 - तिमाही के दौरान 9,000 करोड़ रूपए जुटाए गए हैं।
 - इसके अतिरिक्त, तिमाही 1'20 में पी. एफ. सी. ने 1 बिलियन अमरीकी डॉलर के सबसे बड़े अंतर्राष्ट्रीय बॉण्ड इश्यू जारी किए। इश्यू को निवेशकों द्वारा 5 गुना ओवर सब्सक्राइब्ड किया गया। यह अभूतपूर्व प्रतिक्रिया पी. एफ. सी. और विद्युत क्षेत्र में निवेशकों के विश्वास को दर्शाता है।
 - इसके अतिरिक्त, सिंडिकेटेड ऋणों के जरिए 300 मिलियन अमरीकी डॉलर जुटाए गए हैं।
 - मैं, यह भी सूचित करना चाहूंगा कि 30 जून, 2019 की स्थिति के अनुसार पी. एफ. सी. की बकाया विदेशी मुद्रा निवेश अवस्थिति 5.1 बिलियन अमरीकी डॉलर है। इस समय, का कुल विदेशी मुद्रा पोर्टफोलियो का 49 प्रतिशत विदेशी मुद्रा जोखिम के लिए धारित किया गया है। इसके अतिरिक्त, 77 प्रतिशत विनिमय धारिता पहले ही आठ वर्षों तक की अवशिष्ट परिपक्वता के साथ एफ. सी. एल. पोर्टफोलियो पर धारित की गई है। आठ वर्षों से अधिक की अवशिष्ट धारिता के साथ एफ. सी. एल. पोर्टफोलियो के लिए, मुक्त भाग की धारिता को परिपक्वता के लिए पर्याप्त समय है। इस प्रकार एक भली भांति धारित बचाव पोर्टफोलियो के साथ, विनिमय दरों में वर्तमान अस्थिरता के कारण हम किसी प्रकार का महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं देखते।
- अब, मैं परिसंपत्तियों की गुणवत्ता के बारे में बात करना चाहूंगा।
 - प्रथमतः मुझे यह बताते खुशी हो रही है कि 928 करोड़ रूपयों के जी. एम. आर., छत्तीसगढ़ में ऋण का संकल्प पहुंच गया है। अडानी पावर के साथ पणधारिता की बिक्री के जरिए प्रबंधन में परिवर्तन के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। ऋणदाताओं को लगभग 50 प्रतिशत का ऋण मार्जिन वहन करना होगा। पी. एफ. सी. को पहले ही इस परियोजना के प्रति 51 प्रतिशत का प्रावधान प्राप्त है।
 - इसके अतिरिक्त, तिमाही के दौरान, 900 करोड़ रूपए के ऋण वाली एक परियोजना सुजलॉन एनर्जी नीचे गिरकर चरण-III श्रेणी अर्थात एन. पी. ए. पर आ गई है। हम पहले ही संकल्प आगे बढ़ा रहे हैं और ऋण पर पहले ही 50 प्रतिशत प्रावधान कर दिया गया है।
 - अब हम बैंकों और एन. बी. एफ. सी. (एस.) द्वारा प्रतिबलित परिसंपत्तियों के संकल्प के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की दिनांक 7 जून की मार्गदर्शिकाओं पर आते हैं। हम विश्वास करते हैं कि यह प्रतिबलित



परिसंपत्तियों के त्वरित संकल्प में सहायता करेगा। ये मार्गदर्शिकाएं इस समय उन ऋणों पर लागू हैं जहां बैंकिंग उद्योग का निवेश 1500 करोड़ और अधिक भारतीय रूपयों का है। इस समय, पी. एफ. सी. के पास इस समय 30,400 करोड़ भारतीय रूपए के निवेश के साथ 30 प्रतिबलित परिसंपत्तियां हैं।

- अब, मैं इन 30 परियोजनाओं के संकल्प पर एक संक्षिप्त प्रास्थिति प्रस्तुत करूंगा।
 - 30 परियोजनाओं में से, 12,100 करोड़ रूपए की पांच परियोजनाओं में भारतीय रिजर्व बैंक की प्रतिबलित परिसंपत्ति मार्गदर्शिकाओं के अंतर्गत अंतर- ऋणदाता करार हस्ताक्षरित किया गया है अथवा हस्ताक्षर होने की संभावना है। इन परियोजनाओं के लिए 46 प्रतिशत निवेश पहले ही किया जा चुका है।

मैं ऊपर बताई गई कुछ प्रमुख परियोजनाओं पर अद्यतन जानकारी देना चाहूंगा। इंडियाबुल्स, अमरावती में, जो 100 प्रतिशत पी. पी. ए. और एफ. एस. ए. के साथ एक अधिकृत परियोजना है ऋणदाताओं के बीच अंतर ऋणदाता समझौता हस्ताक्षरित किया गया है। इसके अतिरिक्त, ऋणदाता सिद्धांत रूप में लेनदार के ओ. टी. एस. प्रस्ताव के लिए सहमत हो गए हैं। अब ऋणदाता स्विस् चुनौती प्रक्रिया आरंभ कर रहे हैं। परियोजना के प्रति 50 प्रतिशत निवेश उपलब्ध है, जो हमारे विचार से पर्याप्त है।

एस्सार पावर में, जो कि कमीशन प्राप्त परियोजना है, ऋणकर्ता के पुर्नसंरचना प्रस्ताव का ऋणदाताओं द्वारा मूल्यांकन किया जा रहा है। इस ऋण के लिए 53 प्रतिशत निवेश उपलब्ध है।

- 12 ऐसी परियोजनाएं हैं, जिन पर भारतीय रिजर्व बैंक की मार्गदर्शिकाएं प्रयोज्य नहीं हैं। इसमें से, जी. एम. आर., छत्तीसगढ़ को पहले ही पारित किया गया है। कुल 2900 करोड़ भारतीय रूपयों के निवेश के साथ बकाया 11 परियोजनाओं में, विभिन्न संकल्प विकल्पों का अन्वेषण किया जा रहा है। इन ऋणों के प्रति 30 प्रतिशत प्रावधान किया गया है।

298 करोड़ रूपए के निवेश के साथ, चार परियोजनाओं में, डी. आर. टी. अथवा एस. ए. आर. एफ. ए. ई. एस. आई. के जरिए संकल्प आगे बढ़ाया जा रहा है। इन परियोजनाओं के लिए पूरी तरह से व्यवस्था की गई है।

एस्सार पावर ट्रांसमिशन, जो एक कमीशन प्राप्त परियोजना है, ऋणकर्ताओं का पुर्नसंरचना प्रस्ताव ऋणदाताओं के विचाराधीन है।

बाकी 6 परियोजनाओं में ऋणदाता ऋणकर्ताओं के साथ ओ. टी. एस. प्रबंधन में परिवर्तन जैसे विकल्पों का अन्वेषण कर रहे हैं।



- 14,400 करोड़ रूपए के निवेश के साथ, बाकी 13 परियोजनाओं को एन. सी. एल. टी. के जरिए पारित किया जा रहा है। उन पर 61 प्रतिशत प्रावधानीकरण किया गया है।

इन, 30 प्रबलित परियोजनाओं के प्रति 52 प्रतिशत प्रावधानीकरण उपलब्ध है, जो हम विश्वास करते हैं कि पर्याप्त है।

➤ वित्तीय प्रदर्शन की ओर बढ़ना -

- वित्तीय वर्ष '20 की पहली तिमाही के लिए पी. एफ. सी. का लाभ 1383 करोड़ रूपए पर स्थिर है, जोकि पहली तिमाही '19 के स्तर के समान है। तथापि, मैं उल्लेख करना चाहूंगा कि वर्तमान तिमाही में, हमने पहली तिमाही '19 में 4 करोड़ रूपए की तुलना में 220 करोड़ रूपए की व्यवस्था की है। साथ ही, जैसा कि आप जानते हैं पी. एफ. सी. ने आर. ई. सी. में 14,500 करोड़ रूपए निवेश किए हैं और इस पर डिवीडेंड के रूप में आय प्राप्त होगी और आय पर जवाबदेही होगी। इस प्रकार, यह आगे आने वाली तिमाहियों में पी. एफ. सी. के लाभ में प्रतिबिंबित होगी।

- हमारे वित्तीय संकेतकों पर -

- मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि जैसाकि हमने पहले इंगित किया था, हमारी आय एक संतुलित सीमा में होनी जारी रहेगी। यह आय तिमाही -'19 में 10.57 प्रतिशत की तुलना में तिमाही '20 के लिए 10.61 प्रतिशत है। निधियों की लागत के संबंध में, हमारा लक्ष्य लागत में प्रभावकारिता प्राप्त करना रहा है। चुनौतीपूर्ण वातावरण के बावजूद, तिमाही '19 में लागत में 18 बी. पी. एस. कमी प्राप्त की है। निधियों की लागत पहली तिमाही '19 में 8.08 प्रतिशत की तुलना में तिमाही '20 में 7.90 प्रतिशत है।

- इसके अतिरिक्त, विस्तार को भी बनाए रखा गया है। पहली तिमाही '20 के लिए विस्तार 2.71 प्रतिशत है और जबकि पहली तिमाही '19 के लिए यह 2.49 प्रतिशत था।

समग्र रूप से पहली तिमाही में स्थिर वित्तीय निष्पादन देखा गया है।

- अब मैं पी. एफ. सी. - आर. ई. सी. विलय पर कुछ अद्यतन जानकारी को बांटना चाहूंगा :-

- पी. एफ. सी. के निदेशक, वाणिज्यिक को आर. ई. सी. के मंडल में नामित निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है। इसके अतिरिक्त, पी. एफ. सी. का विलय प्रक्रिया के संबंध में विद्युत मंत्रालय को परामर्श चल रहा है। विलयन के मामले में, मैं आपको आवश्यकता करना चाहूंगा कि, विलय के पश्चात भी, पी. एफ. सी. एक सरकारी स्वामित्व प्राप्त कंपनी बना रहेगा और विद्युत क्षेत्र में भारत सरकार की विभिन्न पहलों में एक सामरिक महत्व का भागीदार बना रहेगा।

➤ अंत में, आगामी तिमाहियों में -

- हम अपनी आय और लागत को एक स्थिर सीमा में रखने का प्रयास करेंगे ।
- हमारा ध्यान ऋण पुनर्वित्त पोषण और नवीकरणीय व्यापार और प्रबलित परिसंपत्तियों के त्वरित समाधान पर केंद्रित रहेगा।
- हम पर्यावरण और वन मंत्रालय के मानदंडों को पूरा करने के लिए विद्युत संयंत्रों में अपेक्षित उन्नयन को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त व्यापार अवसरकी आशा करते हैं।

और अब हम प्रश्न आमंत्रित करते हैं।

प्रश्न और उत्तर

संचालक

धन्यवाद। देवियों और सज्जनों, अब हम प्रश्न और उत्तर सत्र की शुरुआत करेंगे। (संचालक अनुदेश) पहला प्रश्न एडेलविस ब्रोकिंग से श्री कुणाल शाह की लाइन से है। कृपया प्रश्न आरंभ करें।

प्रखर अग्रवाल, विश्लेषक

नमस्कार श्रीमान् । मैं एडेलविस से प्रखर हूं। अब मैं अनिवार्यतः तीन-चार प्रश्न पूछूंगा। प्रथम प्रश्न आपकी निधियों की लागत के संबंध में है तो इस तिमाही के दौरान जब मैं तिमाही आधार पर देखता हूं तो हम आपकी निधियों की लागत में कुछ वृद्धि देखते हैं। तो इस वृद्धि का स्पष्टीकरण क्या है और आप क्या सोचते हैं कि यह आगे जा कर कहां निर्धारित होगा ?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

देखें, अगर मैं पिछली तिमाही से तुलना करूं तो निधियों की लागत 7.68 प्रतिशत से बढ़कर 7.90 प्रतिशत हो गई है। आप जानते हैं कि वित्तीय क्षेत्र में एन. बी. एफ. सी. को अंतर्निहित करने वाले विभिन्न मुद्दों के साथ एन. बी. एफ. सी. (एस) के लिए हमारी भावनाएं उनके समर्थन में नहीं हैं और हम इन मुद्दों का भी सामना कर रहे हैं। किंतु इसके बावजूद, इस तिमाही की हमारी सीमान्त लागत कम हो कर 7.51 प्रतिशत हो गई है। किंतु निम्न लागत वाले ऋणों की पुर्नअदायगी भी हुई थी, जिस कारण समग्र लागत 7.68 प्रतिशत से बढ़ कर 7.90 प्रतिशत हो गई है। किंतु यदि हम सीमान्त लागत को देखते हैं तो यह इस तिमाही के लिए 7.57¹% है ।

प्रखर अग्रवाल, विश्लेषक

जी हां 7.57%¹। और जब आप विस्तार के समान्य स्तर के रूप में जब आप देखते हैं तो आप क्या सोचते हैं कि यह विस्तार किस स्तर पर निर्धारित होगा। विशेष कर जब आप संपूर्ण ब्याज दर परिदृश्य जिसमें हम हैं, पर विचार करते हैं और संभवतः जैसाकि आपने इस पर विशेष बल दिया है, क्योंकि विभिन्न सत्ताओं के साथ हमारा विचार विमर्श सुझाव देता है कि एन. बी. एफ. सी. की शर्तों में पी. एफ. सी., आर. ई. सी. एक बेहतर हिस्सा हैं और वे अत्यधिक दबाव का सामना नहीं कर रहे हैं। किंतु आपने जिन पर विशेष बल दिया है, वे ऐसे तथ्य हैं जिनसे दबाव परिलक्षित हो रहा है। तो आपके विचार से हम इस विस्तार को अंत में आज कहां पर देख रहे हैं?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

यदि आप पिछले वित्तीय वर्ष को देखें तो हमें 2.67 प्रतिशत का विस्तार प्राप्त था जो बढ़ कर इस तिमाही में 2.71 प्रतिशत हो गया है। जैसा कि हमने पहले भी उल्लेख किया था, हम आशा करते हैं कि हमारा विस्तार लगभग 2.6 प्रतिशत से 2.7 प्रतिशत की सीमा में बना रहेगा। इसलिए मैं सोचता हूं कि हम रेंज के भीतर हैं।

प्रखर अग्रवाल, विश्लेषक

निसंदेह । और श्रीमान्, परिसंपत्ति गुणवत्ता के रूप में, केवल एक विस्तृत संख्या विद्यमान है। तो, जब मैं आपकी सकल स्तर-III परिसंपत्तियों की ओर देखता हूं तो उसमें लगभग 900

¹ इस तिमाही के लिए सीमांत लागत को असावधानी से 7.57 प्रतिशत बताया गया है, जबकि वास्तव में यह 7.51 प्रतिशत है।

अतिरिक्त करोड़ रूपए का निवल परिवर्धन हुआ है, जो अनिवार्य रूप से सुजलॉन को शामिल करने के कारण है, जिसका पहले विशेष रूप से उल्लेख किया गया था। अब आपने जी. एम. आर., छत्तीसगढ़ में आने वाले एक प्रस्ताव पर भी विशेष रूप से प्रकाश डाला है। तो क्या संख्याओं में कोई और अन्य भूल भी हुई है अथवा संभवतः, यह उन्नयन अभी तिमाही '1 की संख्याओं में परिलक्षित होना बाकी है।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

देखें, जी. एम. आर. प्रस्ताव के लिए, प्रभाव अगली तिमाहियों में दिखायी देगा। चूंकि प्रस्ताव अभी केवल जुलाई के महीने में रखा गया है। यह अगली तिमाहियों में प्रतिबिंबित होगा। इस ऋण के अलावा, हम किसी अन्य परिसंपत्ति में कोई दबाव नहीं देखते।

प्रखर अग्रवाल, विश्लेषक

महोदय, नए ऋणों, जो हम लेने जा रहे हैं, के लिए हमारा ई. सी. एल. पूर्वानुमान क्या है ? ऐसा कौन सी पूर्वानुमान हैं जिन पर हम अभी काम कर रहे हैं ?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

समग्र रूप से हमने पहले ही 52 प्रतिशत का प्रावधान किया है।

प्रखर अग्रवाल, विश्लेषक

महोदय, नए वृद्धिकारक ऋणों के लिए, जिनके साथ हम काम कर रहे हैं, ई. सी. एल. पूर्वानुमान 52 प्रतिशत प्रावधान वाले ऋणों के सदृश है, क्या हम इसी के लिए प्रयत्न कर रहे हैं।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

देखिए, यह प्रबलित परिसंपत्ति के लिए है, अगर आप अन्य परिसंपत्ति अर्थात चरण-I और चरण-II को देखें, तो मेरे प्रावधान का औसत 0.31 प्रतिशत ठहरता है।

प्रखर अग्रवाल, विश्लेषक

ठीक है। और श्रीमान् आपने विशेष रूप से बताया है कि आप आइ. ई. सी. के साथ विलयन के लिए विचार विमर्श कर रहे हैं। आपके विचार से यह अंततः कब तक संभव होगा ? और दूसरा संभवतः लाभ के रूप में, आप इस विलयन के पश्चात अपनी लागत और राजस्व प्रभाव को किस रूप में देखते हैं ?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

विलयन की प्रक्रिया जारी है, विद्युत मंत्रालय लगातार इसकी मॉनीटरिंग कर रहा है। परामर्शदाता को नियुक्त किया गया और उसने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है। हम ने कल प्रातः सचिव, विद्युत को एक प्रस्तुतिकरण भी प्रस्तुत किया था और अब हम विद्युत मंत्री को एक प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगे। अतः सरकार बहुत उत्सुक है। किंतु समय सीमा बताना बहुत कठिन होगा। परामर्शदाता ने एक वर्ष की समय सीमा दी है किंतु मैं सोचता हूँ कि मंत्रालय इस प्रक्रिया को संक्षिप्त करना चाहता है और विलयन की प्रक्रिया को त्वरित करना चाहता है।

और लाभ, जैसाकि आप जानते हैं, सब कुछ सहयोगात्मक है। आर. ई. सी. अब हमारा अधीनस्थ है। अधीनस्थ या मुख्यालय को समान क्षेत्र में काम नहीं करना चाहिए। अतः विलयन अवश्यंभावी है। और इसके अतिरिक्त, आर. ई. सी. के 23 कार्यालय लगभग प्रत्येक राज्य में स्थित हैं। हम कारोबार में सामान्य नीतियों, सामान्य ऋण लेने की नीतियों, प्रबलित परिसंपत्तियों के प्रस्ताव पर सामान्य विचारधारा के लाभ सहित इसका भी लाभ प्राप्त करेंगे। इस प्रकार कई लाभ हमें प्राप्त होंगे।

प्रखर अग्रवाल, विश्लेषक

महोदय, जब आप आर. ई. सी. की ओर देखते हैं तो हम उनकी वित्त पोषण लागत में कुछ वृद्धि देखते हैं। क्या आप सोचते हैं कि हमारे विलयन के पश्चात क्या उच्च फंडिंग लागत के रूप में आर. ई. सी. के लिए यह हानि जारी रहेगी अथवा या आप संभवतः इसमें भी कुछ लाभ देखते हैं ?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

वस्तुतः अधीनस्थ कार्यालय की अपने मूल कार्यालय की तुलना में उच्च रेटिंग नहीं हो सकती। तो निश्चित रूप से यदि यह स्थिति लंबे समय तक जारी रहती है तो यह एक नुकसानदेह स्थिति होगी। इसलिए यथासंभव तेजी से विलयन किया जाना चाहिए।

प्रखर अग्रवाल, विश्लेषक

ठीक है निश्चय ही सर। यदि कोई अन्य प्रश्न हो तो मैं कतार में आऊंगा।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:



धन्यवाद, धन्यवाद ।

संचालक

धन्यवाद, अगला प्रश्न एस. एस. बी. सी. से जय प्रकाश की लाइन से है। कृपया प्रश्न पूछें ।

जय प्रकाश, विश्लेषक

हाय, सर । प्रश्न लेने के लिए आपका धन्यवाद । मैं सिर्फ अर्जन परिसंपत्तियों पर विस्तारित ब्याज और अर्जन परिसंपत्तियों पर एन. आई. एम. के बारे में सोच रहा था। जहां विस्तार इस विशेष तिमाही में बढ़ा है, वहीं मैंने एन. आई. एम. में गिरावट देखी है ?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

हमने आर. ई. सी. में 14,500 करोड़ रूपए का निवेश किया है तो इसीलिए उस 14,500 करोड़ रूपए पर ब्याज के बोझ के कारण हमारी निवल ब्याज आय में कमी हुई है। चूंकि निवल ब्याज आय में कमी हुई है, इसलिए इसका प्रभाव हमारे ब्याज मार्जिन पर भी पड़ा है।

जय प्रकाश, विश्लेषक

ठीक है, निसंदेह। तो यह विशिष्ट निवेश वास्तव में केवल डिविडेंड अर्जित करेगा, ब्याज नहीं। ऐसा कैसे है ?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

हम केवल डिविडेंड प्राप्त करेंगे । क्योंकि एक बार वे किसी विशेष तिमाही में डिविडेंड की घोषणा करते हैं तो आप इसका प्रभाव देखेंगे।

जय प्रकाश, विश्लेषक

ठीक है, धन्यवाद सर ।

संचालक

धन्यवाद। अब हम अगला प्रश्न लेंगे। यह जेफरीज से नीलांजन कारफा की लाइन से है।

कृपया प्रश्न पूछें ।

नीलांजन कारफा, विश्लेषक

हाय सर। तीन प्रश्न । तो सबसे पहले, ऐसा प्रतीत होता है कि बीते वर्ष के लिए, औसत कुल डिस्कॉम नुकसान संभवतः 20,000 करोड़ रूपए से 25,000 करोड़ रूपए की सीमा के बीच हो सकता है। क्या इसका कोई संकेत है कि पी. एफ. सी. अल्पावधि ऋणों के जरिए कितनी हानि की फंडिंग कर रहा है ? और क्या कृपया आप हमें बता सकते हैं कि उस नुकसान की फंडिंग की पी. एफ. सी. और आर. ई. सी. के बीच कुल राशि कितनी होगी जो आप दोनों वहन कर रहे हैं ? यह पहला प्रश्न है।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

हम इन वितरण कंपनियों को पिछले 34 वर्षों से वित्त पोषित कर रहे हैं।

नीलांजन कारफा, विश्लेषक

बिल्कुल ठीक ।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

और शायद आप यू. डी. ए. आई. (उदय) से परिचित हैं। उदय के लिए जारी किए गए कार्यालय ज्ञापन में एक प्रावधान है कि हम वितरण कंपनियों को पिछले वर्ष के राजस्व का 25 प्रतिशत से अधिक वित्त पोषण प्रदान कर सकते हैं। इस प्रकार दोनों कंपनियों आर. ई. सी. और पी. एफ. सी. दोनों को उन सीमाओं के भीतर स्वीकृति प्रदान की जा रही है। हम 25 प्रतिशत से अधिक प्रदान नहीं कर सकते और इसको नियमित रूप से विद्युत मंत्रालय द्वारा भी मॉनीटर किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, विद्युत मंत्रालय ने उदय में सुधारों पर और अधिक विचार विमर्श आरंभ किए हैं, अर्थात् वितरण कंपनियों पर नियंत्रण कैसे रखा जाए ताकि नकद हानियों को कम किया जा सके और उनको वित्तीय रूप से लाभप्रद बनाया जा सके। इसके अतिरिक्त, सरकार नई योजना पर भी काम कर रही है कि कुल तकनीकी और वाणिज्यिक हानियों को कम करने के लिए कैसे राज्यों को उत्प्रेरित किया जाए। नई योजना संवितरणों को उत्तोलन करेगी और संवितरणों को सुधार मापदंडों से जोड़ेगी। तो, शायद आपको मालूम होगा कि विद्युत मंत्रालय द्वारा साख पत्र आरंभ करने जैसी विभिन्न पहलें आरंभ की जा रही हैं ताकि सभी विद्युत उत्पादक उनके द्वारा आपूर्ति की जा रही विद्युत के लिए समय पर अपनी अदायगियां प्राप्त कर सकें। इसके अलावा, जैसाकि आप कह रहे थे कि डिस्कॉम हानियों में वृद्धि हुई है, चूंकि हम उदय स्कीम की 25 प्रतिशत सीमा द्वारा अभिशासित हैं, इसलिए हम उससे ज्यादा निधि प्रदान नहीं कर सकते।

नीलांजन कारफा, विश्लेषक

ठीक है। वह सहायतापूर्ण है सर । आपके द्वारा बताए गए उत्तर से कृपया एल. सी. पॉलिसी पर आना चाहूंगा। मोटे तौर पर कितनी एल. सी. जारी की गई हैं। क्योंकि हमने यह भी सुना है - उदाहरण के लिए उत्तर प्रदेश राज्य में, मैं आवश्यक नहीं हूँ कि क्या यह कहीं और भी कार्यान्वित किया गया है। किंतु उन्होंने नए बचाव मार्ग या संभावना ढूँढी है कि यदि वे संयंत्रों को स्वयं राज्य में प्रयोग करते हैं तो उन्हें एल. सी. उपलब्ध कराने की कोई आवश्यकता नहीं है। मैं आपसे सिर्फ इस बारे में जानना चाहता था, सर । यह नई एल. सी. गारंटी कैसी है.....

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

पी. एफ. सी., एल. सी. आरंभ किए जाने को मॉनीटर नहीं कर रही है। किंतु जहां तक विभिन्न बैठकों में मंत्रालय से मुझे जानकारी मिली है, मुझे बताया गया कि जम्मू और कश्मीर के अतिरिक्त, लगभग सभी राज्यों में एल. सी. आरंभ की गई है। जैसाकि आप कह रहे हैं कि एल. सी. का प्रकार क्या यह एक सप्ताह के लिए है या दो सप्ताह के लिए, मुझे इसकी जानकारी नहीं है। मुझे भी मार्केट में किसी ने बताया था। मंत्रालय बहुत आवश्यक है और मंत्रालय का कहना है कि वे बहुत प्रसन्न हैं कि इस अनुदेश का लगभग सभी राज्यों द्वारा क्रियान्वयन किया गया है । चूंकि जम्मू और कश्मीर एक विशिष्ट समस्या का सामना कर रहे हैं, एल. सी. जारी किए जाने पर जोर नहीं दिया गया। मेरे विचार से उन्हें 15 या 20 दिनों का समय दिया गया है। किंतु अन्य राज्यों से यह रिपोर्ट प्राप्त हुई है कि इसे प्रारंभ कर दिया गया है। एक बार प्रक्रिया आरंभ होने पर, जैसाकि आप कह रहे हैं कि एल. सी. कम अवधि के लिए होगी, मैं सोचता हूँ कि समय के साथ वे व्यवस्था को भी शामिल कर लेंगे। और वितरण कंपनियों में अनुशासन लाना महत्वपूर्ण है ताकि वे आई. पी. पी. को समय पर भुगतान कर सकें। क्योंकि अन्यथा वे हमारे लिए भी अप्रत्यक्ष रूप से दबाव सृजित कर सकते हैं। यदि वे आई. पी. पी. को भुगतान नहीं करेंगी तो आई. पी. पी. हमें भुगतान नहीं करेंगी।

नीलांजन कारफा, विश्लेषक

निश्चय ही सर । सर, दो प्रश्न और हैं । तीसरा प्रश्न विलय पर होगा और इस संबंध में भय है कि विलय के पश्चात, भारत सरकार का स्वामित्व 50 प्रतिशत से कम हो जाएगा । तो मैं आपसे जानना चाहता हूँ, क्योंकि आपने कहा कि आप आवश्यक हैं कि कंपनी नवरत्न में से एक बनी रहेगी, आपका क्या विचार है कि इसका कैसे प्रबंध किया जा सकता है ?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

विलयन की प्रक्रिया पहले ही आरंभ हो चुकी है। विद्युत मंत्रालय के अनुदेशों पर, हमने एक

परामर्शदाता को नियुक्त किया है। परामर्शदाता ने अपनी रिपोर्ट दे दी है, और विलयन के लिए तर्क और तालमेल की रूपरेखा तैयार की है और एक रोड मैप दिया है। तथापि, विद्युत मंत्रालय चाहता है कि इस रोड मैप को धनीभूत किया जाए ।

इसलिए, कल प्रातः हमने सचिव, विद्युत के समक्ष एक प्रस्तुतिकरण प्रस्तुत किया था। वे इस संबंध में बहुत उत्सुक हैं कि विलयन को 6 महीनों में पूरा किया जाना चाहिए। अतः इसे त्वरित किया जाना चाहिए। सहयोगी क्रियाएं जिनकी रूपरेखा तैयार की गई है, पर परामर्शदाताओं द्वारा विद्युत मंत्रालय के साथ विचार विमर्श किया जा रहा है और जैसाकि आप कह रहे हैं इसे एक सरकारी कंपनी के रूप में जारी रखने के लिए, सरकार द्वारा सुनिश्चित किया जाना है। इसलिए, यह सरकार का कर्तव्य है कि वे कैसे एक विलयित सत्ता को एक सरकारी कंपनी के रूप में जारी रख सकते हैं। विभिन्न विकल्पों पर विचार विमर्श किया गया है और मैं यह कह सकता हूं कि सर्वोत्तम विकल्पों को क्रियान्वित किया जाएगा।

नीलांजन कारफा, विश्लेषक

ओके । और सर, अंत में हम वर्तमान राजकोषीय वर्ष से आने वाले डिवीडेंड को किस तिमाही में आने वाला मानें ?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

हमें आर. ई. सी. के साथ विचार विमर्श करना है देखिए, यह कहना कठिन है कि किस तिमाही में । किंतु सामान्य रूप से किंतु यदि आप विगत में देखें तो आम तौर पर उनकी घोषणा तीसरी तिमाही या चौथी तिमाही में की जाती है।

नीलांजन कारफा, विश्लेषक

ओके, ठीक है। यह बहुत उपयोगी है, सर । धन्यवाद

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

बहुत-बहुत धन्यवाद ।

संचालक

धन्यवाद । हम अगला प्रश्न लेंगे जोकि इक्विटीस सिक्योरिटीज से रोहन मंडोरा की लाइन से है। कृपया प्रश्न पूछें ।

रोहन मंडोरा, विश्लेषक

सर, अवसर के लिए धन्यवाद। सर मैं नए खंडों को समझना चाहूंगा जहां हम वित्त पोषण कर रहे हैं जैसे लिफ्ट सिंचाई, स्मार्ट सिटीज, ई-वाहन रिचार्ज और /अथवा पारेषण और वितरण लाइनें। सर, वहां हमारा किस प्रकार का सिक्योरिटी ढांचा है? क्या यह केवल सरकारी गारंटी है अथवा क्या हमें उन अंतर्निहित परिसंपत्तियों पर भी कुछ प्रभार प्राप्त होगा जो सृजित की गई हैं?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

यह एक परिसंपत्ति आधारित फंडिंग है, जैसे कि लिफ्ट सिंचाई में, हम परिसंपत्ति और राज्य सरकार गारंटी, दोनों पर शुल्क प्रभार करते हैं। इसी प्रकार स्मार्ट ग्रिड में, यह किसी अन्य इलेक्ट्रिकल बुनियादी ढांचे की तरह, स्मार्ट ग्रिड कोई नई चीज नहीं है, यह भूमिगत केबलिंग, कुछ स्मार्ट मीटर की तरह है। इस तरह, हम हमेशा परिसंपत्तियों पर शुल्क प्रभार करते हैं साथ ही एस्करो हमेशा ही परिसंपत्ति आधारित फंडिंग में उपस्थित रहा है। वितरण कंपनी में, हमें संभवतः राज्य सरकारों की गारंटी प्राप्त न हो, किंतु सांत्वना के रूप में हमें ये दोनों प्राप्त हैं।

रोहन मंडोरा, विश्लेषक

समझ गया। और सर, ये परिसंपत्तियां अनिवार्य रूप से राज्य सरकार द्वारा स्वामित्व प्राप्त हैं?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

जी, हां, सर।

रोहन मंडोरा, विश्लेषक

ये निजी सत्ता द्वारा स्वामित्व प्राप्त नहीं है।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

जी, नहीं।

रोहन मंडोरा, विश्लेषक

ठीक है। तो सर, जैसाकि हमारे इतिहास में, क्या आपने ऐसे मामले देखे हैं जिनमें हम, निश्चय ही, उन राज्य सरकारों जिन्होंने चूक की हो, पर प्रभारों को लागू करने और तब उनसे वसूली करने में सक्षम रहे हैं। क्या ऐसी कोई संभावना है कि ऐसा घटित हुआ हो ?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

सर। मैंने अपना कैरियर 1985 में आरंभ किया था। तो उस समय के बाद से, हर कोई यह कह रहा है कि राज्य यूटिलिटीयां दबाव में हैं, वे वापिस भुगतान करने में सक्षम नहीं होगी। किंतु, भाग्य से, आज तक, किसी भी राज्य यूटिलिटी में एक भी एन. पी. ए. नहीं हुई है। हां, कई बार हमें वापसी भुगतान में समस्या का सामना करना पड़ा है, किंतु इसके एन. पी. ए. बनने से पहले वह आ जाती है। वे हमारी समस्याओं को समझते हैं। हम उनकी समस्याओं को समझते हैं। इस प्रकार, आज की तारीख तक, हम सभी राज्य यूटिलिटीयों से हमारा भुगतान वापस प्राप्त कर रहे हैं।

रोहन मंडोरा, विश्लेषक

निसंदेह सर। समझ गया धन्यवाद।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

बहुत-बहुत धन्यवाद।

संचालक

धन्यवाद। अगला प्रश्न सी. एल. एस. ए. से माहित सुराना की लाइन से है। कृपया प्रश्न पूछें।

प्रखर शर्मा, विश्लेषक

हाय। गुड आफ्टर नून। मैं प्रखर हूँ। मैं केवल तीन प्रश्न पूछूंगा। एक, सर, आंध्र प्रदेश और संपूर्ण सौर विद्युत संबंधित मुद्दे जो उठाए गए हैं। इन क्षेत्रों में पी. एफ. सी. का निवेश क्या होगा और क्या आप आर. ई. सी. पर भी टिप्पणी कर सकते हैं। और आप अपने निवेश से क्या जोखिम देखते हैं? यह प्रश्न संख्या एक है।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

हमारे पास 2455 करोड़ रुपए था निवेश, ऋण जोखिम ² है किंतु हम भुगतान प्राप्त कर रहे हैं हमें पिछले सप्ताह ही आंध्र यूटिलिटी से भुगतान प्राप्त हुआ है। इसलिए आज की तारीख में हमारी कोई राशि बकाया नहीं है। कह सकता हूँ कि कोई महत्वपूर्ण बकाया नहीं है।

प्रखर शर्मा, विश्लेषक

ओके । दूसरा प्रश्न, सर, यदि आर. ई. सी. और पी. एफ. सी. एक एकल सत्ता बन जाते हैं तो क्या एक पार्टी निवेश सीमा बहुत ज्यादा नहीं बढ़ जाएगी । वे लोग जो वैयक्तिक रूप से प्रमुख ऋणदाता हैं, किंतु एक एकल सत्ता के रूप में प्रमुख निवासी हो सकते हैं। जिसके लिए संभवतः ऋणदाता विनियमों में भी बीमा कंपनी आदि की तरह परिवर्तनकी आवश्यकता होगी। तो, क्या आप इस भाग को स्पष्ट करेंगे ?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

आज समूह निवेश पहले से ही उपस्थित है। यदि विलयन होता है तो निश्चित रूप से ऋणों में मुद्दा उपस्थित होगा। किंतु हम उस सीमा को बढ़ाने के लिए सभी विनियामकों के साथ विचार विमर्श करेंगे और हम निधियों को जुटाने के लिए अन्य अवसरों की तलाश करने का प्रयत्न कर रहे हैं जैसे बांडों का सरकारी इश्यू।

प्रखर शर्मा, विश्लेषक

धन्यवाद ।

प्रखर शर्मा, विश्लेषक

ओके । और तृतीय, सर, पिछले प्रश्न की टिप्पणी में आपने उल्लेख किया है कि पिछले 30 से अधिक वर्षों में, एस. ई. बी. वास्तव में चूककर्ता नहीं रहे हैं चाहे विलंब हो गया हो। क्या आप नहीं सोचते कि वह उन ऋणों पर काफी निम्न ब्याज दर की अधिकार देते हैं जो इन सत्ताओं को दिए गए हैं यह देखते हुए कि वास्तव में ऋणदाताओं के लिए परिसंपत्ति गुणवत्ता जोखिम शून्य है ?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

² असावधानी से कहा गया है कि आंध्र प्रदेश में पी. एफ. सी. का 2455 करोड़ रुपए का निवेश केवल मैत्र को दिया गया है । यह स्पष्ट किया जाना है कि आंध्र प्रदेश में पी. एफ. सी. का नवीकरणीय निवेश लगभग 2500 करोड़ रुपए है।



यह शून्य नहीं है। वास्तव में हमने जोखिम के अनुसार उन्हें रेटिंग किया है। तो आपको जानकारी होगी कि विद्युत मंत्रालय ने सभी वितरण कंपनियों को रेटिंग करने का यह उत्तरदायित्व पी. एफ. सी. को सौंपा है और हमने यह काम सी. ए. आर. ए. और आई. सी. आर. ए. के जरिए करवाया है। आधे राज्य सी. ए. आर. ई. के साथ हैं और आधे राज्य आई. सी. आर. ए. के साथ हैं। पिछले 6 वर्षों से, प्रत्येक वर्ष हम नियमित रूप से यह रेटिंग का कार्य कर रहे हैं और इस रेटिंग का अनुसरण न केवल आर. ई. सी., पी. एफ. सी. द्वारा किया जा रहा है बल्कि अन्य बैंक भी इस रेटिंग का प्रयोग कर रहे हैं और यह जोखिम संबंधित है। हमारी ब्याज दरें यूटिलिटी की रेटिंग द्वारा निर्धारित होती हैं।



प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

जी, हां। यह उल्लेख करना महत्वपूर्ण है कि इन सरकारी युटिलिटियों को हमारी ब्याज दर निजी क्षेत्र के ऋणों की तुलना में निम्न हैं। मैं यह कह सकता हूँ।

प्रखर शर्मा, विश्लेषक

सर ! क्या मैं आपसे एस. ई. बी. को दिए गए ऋणों पर प्राप्त मिश्रित लाभ के बारे में पूछ सकता हूँ।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

हमारा लाभ 10.63 प्रतिशत प्रति तिमाही है। यह औसत लाभ है। किंतु यदि आप सरकारी युटिलिटियों के लिए पृथक रूप से देखेंगे तो यह 10 प्रतिशत से 11 प्रतिशत है।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

जैसाकि सी. एम. डी. ने उल्लेख किया कि यह सत्ताओं की रेटिंग पर निर्भर करता है।, किंतु अंततः दरें 10 प्रतिशत से 11.5 प्रतिशत के बीच भिन्न-भिन्न हैं।

प्रखर शर्मा, विश्लेषक

ओके, सर। और सर, कृपया निजी निवेश पर अंतिम प्रश्न, जहां भी खाता या तो प्रबलित है अथवा किसी आई. सी. ए., आदि की संभावना है, क्या आप ब्याज को प्रोद्भवन आधार पर स्वीकार करते हैं या नकद आधार पर, क्योंकि मैं जानता हूँ कि आप अब आई. एन. डी.- ए. एस. में हैं। इसलिए यह पुनर्भुगतान के व्यावहारिक विस्तार के आधार पर समावेश करता है। तो क्या आप, कृपया लेखाकरण भाग को स्पष्ट कर सकते हैं ?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

जी, हां। अभी हम केवल नकदी आधार पर परिकलन कर रहे हैं।

प्रखर शर्मा, विश्लेषक

ओके। धन्यवाद, सर।



प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

बहुत-बहुत धन्यवाद ।

संचालक

धन्यवाद । अगला प्रश्न यू. बी. एस. सिन्क्योरिटीज से ईशांक कुमार की लाइन से है। कृपया प्रश्न आरंभ करें।

ईशांक कुमार, विश्लेषक

जी, हां, सर, क्या आप मुझे सुन पा रहे हैं ?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

जी, हां ।

ईशांक कुमार, विश्लेषक

जी, हां । पहले निवेश पक्ष के संबंध में, एक या दो के अतिरिक्त अधिकतर परियोजनाओं में प्रस्ताव में देरी को देखते हुए, क्या हम यहां अधिक प्रावधान की आशा करें ? क्या हम परियोजना के मूल्य में कुछ गिरावट की आशा कर सकते हैं जो पी. एफ. सी. पक्ष से अधिक प्रावधान को प्रवर्तित करेगा ।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

मेरा विचार है कि हमने पहले ही इसके लिए व्यवस्था की है, हमारा औसत प्रावधान 52 प्रतिशत है। परियोजना में, जिसका हमने समाधान लिया अर्थात् जी. एम. आर., छत्तीसगढ़, ऋण मार्जिन लगभग 50 प्रतिशत था और इस परियोजना में पहले ही 51 प्रतिशत का प्रावधान है। इसलिए हमें और अधिक प्रावधान की जरूरत नहीं थी। इसी प्रकार अन्य परियोजनाएँ भी, मैं इस स्तर पर भविष्यवाणी नहीं कर सकता किंतु यह पहले ही 50 प्रतिशत रेंज में हैं। इसलिए पहले ही 52 प्रतिशत प्रावधान किया गया है। इसलिए हमें आशा नहीं है कि एक बार संकल्प प्रस्तुत हो जाने के बाद और अधिक प्रावधान करने की आवश्यकता है।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:



देखिए, 52 प्रतिशत औसत प्रावधान है और कुछ अन्य परियोजनाओं में हम किसी अन्य ऋण मार्जिन की उम्मीद नहीं कर रहे हैं। हम आशा करते हैं कि हमने जितना भी ऋण दिया है, बकाया हमारे पास वापिस आएगा। इसलिए 52 प्रतिशत औसत पर्याप्त है।

ईशांक कुमार, विश्लेषक

ओके । और इस तिमाही में हमने सुजलॉन की एक फिसलन देखी है, किंतु क्या हम किसी और दबाव की आशा करते हैं।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

नहीं, नहीं । वहां और कोई परियोजना नहीं है।

ईशांक कुमार, विश्लेषक

ओके । और इसी प्रकार परिसंपत्ति पक्ष पर आय के संबंध में, हमने इस तिमाही में 5 आधार बिंदु से 6 आधार बिंदु की गिरावट देखी है, हम संभवतः 28 फरवरी से हमारी ब्याज दर में संशोधन करने के बारे में सोच रहे हैं। तो क्या तिमाही से तिमाही आधार पर यह गिरावट ब्याज दरों में हमारी कटौती के कारण है ?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

इसे वास्तव में ब्याज में कटौती नहीं कहा जा सकता, क्योंकि जैसाकि आप जानते हैं प्रत्येक तीन वर्ष के बाद हमारी पुर्ननिर्धारण की नीति है।

ईशांक कुमार, विश्लेषक

ठीक है ।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

तो कुछ ऋण, जिन पर ब्याज की उच्च दरें लागू थीं, की ऋणकर्ताओं द्वारा वापिसी अदायगी कर दी गई है। अन्यथा ब्याज दरों पर कोई कटौती नहीं है।

ईशांक कुमार, विश्लेषक



ओके । तो तब परिसंपत्ति पक्ष पर आय में क्या हमें इस वित्तीय वर्ष में और अधिक गिरावट की आशा करनी चाहिए।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

जी, नहीं । हम बनाए रखने में समर्थ होंगे।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

जैसाकि सी. एम. डी. ने अपने भाषण में पहले ही उल्लेख किया है कि हम यह महसूस करते हैं कि यह समान रेंज में ही बना रहेगा।

इशिता गुप्ता, विश्लेषक

ओके। और सर, अंत में प्रतिस्पर्धात्मक गहनता पक्ष पर, क्योंकि व्यवस्था इस समय अधिशेष में है और कुछ पी. एस. यू. बैंक भी पी. सी. ए. से बाहर आ रहे हैं। तो क्या आप पी. एस. यू. बैंक पक्ष की ओर से प्रतिस्पर्धा में कुछ वृद्धि की आशा करते हैं अथवा आप अभी भी वहां से कुछ आशा नहीं देखते ?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

बैंक विद्युत क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए बिल्कुल भी इच्छुक नहीं हैं। यहां तक कि सबसे बड़ा बैंक एस. बी. आई., भी क्षेत्र से बाहर जाने के लिए इच्छुक है। इसके अतिरिक्त, विद्युत क्षेत्र जैसाकि आपने देखा होगा कि देश में सभी इच्छुक घर परिवारों का विद्युतीकरण किया गया है। विद्युत की मांग बढ़ रही है और शहरी साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक विद्युत को अमामेलित करने के लिए किसी राज्य विद्युत युटिलिटी में अधिकाधिक सब स्टेशन वितरण, उन्नयन और सुदृढीकरण की आवश्यकता है। लोगों की आकांक्षाओं में वृद्धि हो रही है। पहले उनके पास एक या दो पावर प्वाइंट्स होते थे। किंतु अब वे घरेलू उपकरण की भी खरीद रहे हैं। इसलिए उन्हें अपने घरों में अधिक पावर की जरूरत है।

इसलिए, विद्युत आपूर्ति को सुनिश्चित किया जाना है और अधिक महत्वपूर्ण रूप से देश में सभी राज्यों ने सभी के लिए 24x7 विद्युत हस्ताक्षरित किया है। यह सभी राज्य सरकारों के साथ विद्युत मंत्रालय द्वारा हस्ताक्षरित एक मानव दस्तावेज है। और अप्रैल, 2019 के बाद से उनके द्वारा सभी उपभोक्ताओं को 24x7 विद्युत आपूर्ति की जानी थी। और इसका एक रोडमैप है। यदि सभी उन्हें अपने सब ट्रांसमिशन वितरण व्यवस्था को सुदृढ करने की आवश्यकता हुई तो वे हमसे ऋण लेंगे। यदि उन्हें उपभोक्ताओं को विश्वसनीय और गुणवत्ता



विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करनी है और वे स्वचालित होना चाहते हैं। (आपूर्ति उनकी प्रणाली को स्वचालित वितरण प्रणाली बनाने के लिए), और वे स्मार्ट ग्रिड स्थापित करना चाहते हैं तो वे हमारे पास आएंगे। इस प्रकार, बहुत से अवसर हैं। नए क्षेत्रों में जैसे इलेक्ट्रिक वाहन, चार्जिंग स्टेशन, लिफ्ट सिंचाई में सिंचाई, उसके इलेक्ट्रो मैकेनिकल भाग को हम वित्त पोषित करते हैं। इस प्रकार, हम हमारे कारोबार के लिए नए क्षेत्रों का अन्वेषण कर रहे हैं।

ईशिता गुप्ता, विश्लेषक

ओके और आपके उत्तरों के लिए धन्यवाद ।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

धन्यवाद, धन्यवाद ।

संचालक

धन्यवाद । अगला प्रश्न दलाल एवं ब्रोचा से चिराग शाह की लाइन से है। कृपया प्रश्न पूछें ।

चिराग शाह, विश्लेषक

नमस्कार । मेरा प्रश्न लेने के लिए धन्यवाद । सर, मेरा प्रश्न है कि इस वर्ष और संभवता आगामी वर्षों के लिए हमारी डिवीडेंड नीति क्या होगी ?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

वही समान नीति रहेगी । पिछले वर्ष हमें 'डिपॉम' द्वारा छूट प्रदान की गई थी, क्योंकि हमने आर. ई. सी. को अधिग्रहित किया था। किंतु समान नीति स्थापित होना जारी रहेगी और हमें भारत सरकार की उस लाभांश नीति का अनुसरण करना होगा।

चिराग शाह, विश्लेषक

ओके । तो इस वर्ष संभवतः हम देख रहे हैं.....

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

यह लाभ का 30 प्रतिशत अथवा निवल मूल्य का 5 प्रतिशत, जो भी अधिक ही होगा ।



चिराग शाह, विश्लेषक

ठीक है सर, तो इस वर्ष हम डिवीडेंड भुगतान को वापिस कर देंगे, ठीक है ?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

जी, हां । निश्चय ही ।

चिराग शाह, विश्लेषक

ओके सर । धन्यवाद

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

हम उस भुगतान को वहन नहीं कर सकते। हम भुगतान नहीं करेंगे।

चिराग शाह, विश्लेषक

ओके । और सर, यह फार्मूला समेकित कारोबार पर लागू होता है, सही ?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

नहीं, नहीं । आर. ई. सी. हमें डिवीडेंड देगा ।

चिराग शाह, विश्लेषक

ठीक है ।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

नहीं नहीं । आर. ई. सी. हमारी अधीनस्थ है।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

तो, दोनों पृथक कानूनी हस्ती हैं दोनों पृथक-पृथक और व्यैक्तिक रूप से घोषणा करेंगी कि नियम लागू होगा ।



चिराग शाह, विश्लेषक

ओके। तो वह नियम स्टैंड अलोन नंबरों पर हमारे लिए लागू किया जाएगा, क्या ऐसा ही है?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

जी, हां ।

चिराग शाह, विश्लेषक

ओके, सर, ओके धन्यवाद ।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

आपका बहुत-बहुत धन्यवाद ।

संचालक

धन्यवाद । अगला प्रश्न एच. एस. बी. सी. से कुशान पारिख की लाइन से है। कृपया प्रश्न पूछें। कुशान आपकी लाइन टॉक मोड पर है। कृपया आरंभ करें ।

कुशान पारिख, विश्लेषक

हेलो, क्या आप मुझ सुन रहे हैं ?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

जी, हां ।

कुशान पारिख, विश्लेषक

ये तो पिछले कुछ वर्षों में, हमने तापीय विद्युत क्षेत्र पर बहुत दबाव देखा है। यह हमारे पीछे ही प्रतीत होता है। क्या आप नवीकरणीय पक्ष पर कोई समान जोखिम पहले से देख पा रहे हैं?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

सर, आज की तारीख तक हमने एक परियोजना के अतिरिक्त कोई अन्य दबाव नहीं देखा है। गुजरात में एक छोटी परियोजना, जो बाढ़ग्रस्त थी, यह एक सौर परियोजना थी, बहुत छोटी 10 मेगावाट की - यह आस्टन फील्ड थी। किंतु अन्य परियोजना में, क्योंकि अधिकतर परियोजना में, जो हमने सौर या पवन में वित्त पोषण किया है, एस. ई. सी. आई. या एन. टी. पी. सी. पी. पी. ए. के जरिए विकसित की गई है। इसलिए, हम एकदम चिंतामुक्त हैं और हम समय पर भुगतान प्राप्त कर रहे हैं

कुशान पारिख, विश्लेषक

धन्यवाद, किंतु हाल की घटनाओं को देखते हुए जहां बोली बहुत प्रतिस्पर्धात्मक रही है और दरों में गिरावट आई है, क्या आपके पास आपके अपने लिए और किसी प्रकार के जोखिम के लिए पर्याप्त सुरक्षा है ?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

सर, आपको ज्ञात होगा कि हम विद्युत क्षेत्र में एक प्रमुख हस्ती हैं और परियोजनाओं के मूल्यांकन के लिए हमारे पास एक बहुत मजबूत संतुलित व्यवस्था है। हम टैरिफ, आक्रामक टैरिफ के अनुसार नहीं चलते, हम संख्याओं, डी. एस. सी. आर., ऋण सेवा सम्मिश्रण अनुपात के अनुसार चलते हैं। यदि कोई परियोजना हमें वापिस लाभ अदा कर सकती है, केवल तभी हम इसे हमारे मंडल में लेते हैं। तो परियोजना मूल्यांकन और सत्ता मूल्यांकन की बहुत मजबूत तंत्र, एजेंडा की तैयारी में प्रयोग किया जाता है, जो बोर्ड को जाता है। इस प्रकार हम बहुत बहुत अभिज्ञ निर्णय लेते हैं। हम नहीं देखते लगता कि यह बहुत आक्रामक टैरिफ या उच्च टैरिफ है। किंतु यदि हमें अपनी संख्या प्राप्त करते हैं, जो एक व्यवहार्य परियोजना के लिए अनिवार्य है, तो हम उसे निधि करेंगे।

कुशान पारिख, विश्लेषक

ओके। नवीकरणीय परियोजनाओं को उधार देने की आपकी औसत या सीमांत लागत क्या होगी ?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

मेरे विचार से यह 10 प्रतिशत से 11.5 प्रतिशत के बीच है।

कुशान पारिख, विश्लेषक

ओके। यह बहुत अच्छा है। मेरी ओर से बस इतना ही है। आपका बहुत धन्यवाद ।

संचालक

धन्यवाद। अगला प्रश्न दाइवा कैपिटल से पुनीत श्रीवास्तव की लाइन से है। कृपया आरंभ करें।

पुनीत श्रीवास्तव, विश्लेषक

नमस्कार । दोपहर की नमस्ते । तो मेरा प्रश्न इस निधि की लागत - निधि की सीमांत लागत के बारे में है, जिसका आपने उल्लेख किया था - कुछ छूट आदि प्रदान की गई थी। किंतु मैं यह जानना चाहता था, यह क्या कोई अधीनस्थ बॉण्ड है ? मेरा तात्पर्य है कि पी. एफ. सी. ने अधीनस्थ बॉण्ड भी जारी किए थे। मेरे विचार से विशेष रूप से तिमाही 4 में, क्योंकि टियर-II ऊपर चला गया था। तो क्या यह पहली तिमाही में निधि की लागत को भी प्रभावित कर रहा है ?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

जी, हां । हमने चौथी तिमाही में 5000 करोड़ रूपए जुटाए थे और इसके लिए औसत लागत लगभग 9 प्रतिशत थी, किंतु वह बहुत छोटी राशि है। इसलिए इसका समग्र लागत पर काफी प्रभाव नहीं पड़ा। मेरा कुल ऋण 280,000 रूपए है और उसकी तुलना में 5,000 रूपए बहुत छोटी राशि है।

पुनीत श्रीवास्तव, विश्लेषक

ओके । और सर क्या आप आंध्र प्रदेश को नवीकरणीय ऊर्जा ऋणों का कुल निवेश बता सकते हैं ?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

आंध्र प्रदेश में मैत्र को 2455 करोड़ रूपए दिए गए किंतु वे वापिस अदायगी कर रहे हैं³

³ असावधानी से यह कहा गया है कि पी. एफ. सी. का आंध्र प्रदेश में 2455 करोड़ रूपए का निवेश केवल मैत्र को दिया गया है। यह स्पष्ट किया जाता है कि पी. एफ. सी. का आंध्र प्रदेश में कुल नवीकरणीय निवेश लगभग 2500 करोड़ रूपए का है।



पुनीत श्रीवास्तव, विश्लेषक

ठीक । और सर, इस कुल सरकारी, मेरा तात्पर्य राज्य सरकार गारंटी प्राप्त ऋणों के संबंध में, क्या हम कुल बकाया राशि के आंकड़े प्राप्त कर सकते हैं, चाहे वह राज्य सरकार गारंटी हो अथवा वह केंद्रीय भी हो सकती है ?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

3,16,000 करोड़ रूपए की हमारे ऋण खाते में से लगभग 65,000 करोड़ रूपए । लगभग 20 प्रतिशत ।

पुनीत श्रीवास्तव, विश्लेषक

ओके । तो वार्षिक रिपोर्ट में, मूल रूप से आपने उल्लेख किया था कि सरकारी गारंटी प्राप्त ऋण हैं और ये अप्रतिभूत ऋण भी हो सकते हैं। तो आप इन अप्रतिभूत ऋणों से कैसे निपटते हैं जो लगभग 50,000 करोड़ रूपए हैं जैसाकि वार्षिक रिपोर्ट में दर्शाया गया है।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

देखिए, सामान्यता हम केवल रक्षित ऋण ही देते हैं किंतु ऐसा हो सकता है कि कई बार प्रतिभूतियां सृजित करने में समय लगता है। तो इस बीच यह अप्रतिभूत बना रहता है। तो संभवतः, वे आंकड़े, मैं नहीं जानता कि आपने वे आंकड़े कहां से उद्धरित किए हैं, केवल समय अंतराल के कारण ही उन्हें अप्रतिभूत दर्शाया गया है। किंतु आखिरकार, हमें उन्हें केवल रक्षित ऋण में बदलना होगा।

कुशान पारिख, विश्लेषक

ओके । समय गया ।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

प्रतिभूतियों को सृजित न करने के लिए हम अतिरिक्त ब्याज प्रभारित करते हैं। मान लीजिए, यदि हम प्रतिभूति सृजित करने के लिए डेवलपर्स को समय देते हैं तो हम उस पर अतिरिक्त ब्याज प्रभारित करेंगे।

कुशान पारिख, विश्लेषक



ओके । और सर, क्या आपके पास यह आर. डब्ल्यू. ए. आंकड़े हैं अर्थात ऋण खाते की कितनी राशि 20 प्रतिशत, जोखिम भारांशित है ? कितना 100 प्रतिशत है, क्योंकि हमें इस आर. डब्ल्यू. ए. को परिकलित करने में कठिनाई आ रही है।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

मोटे तौर पर जोखिम भारांश 62 प्रतिशत है।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

औसत जोखिम भारांश 62 प्रतिशत है।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

62 प्रतिशत । राज्य सरकार गारंटियां 63,244 करोड़ रूपए है जो 19.38 प्रतिशत है और चालू परियोजनाएं 1,16,891 करोड़ रूपए की है जो कि 35.83 प्रतिशत है।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

देखिए, कुल जोखिम भारांश लगभग 62 प्रतिशत है, क्योंकि जैसाकि आप जानते होंगे, राज्य सरकार ऋण के लिए 20 प्रतिशत है, कमीशन प्राप्त के लिए 50 प्रतिशत है। जैसाकि सी. एम. डी. ने उल्लेख किया है कुल 3,16,000 रूपए में से लगभग 20 प्रतिशत सरकारी गारंटी प्राप्त ऋण हैं और 50 प्रतिशत कमीशन प्राप्त परिसंपत्तियां हैं। इस प्रकार समग्र औसत 62 प्रतिशत है।

कुशान पारिख, विश्लेषक

ओके सर । और सॉरी केवल एक प्रश्न । आपने बताया कि पी. एफ. सी. के लिए निधि की आपकी वृद्धि कारण लागत 7.57%¹, थी, क्या पहली तिमाही के लिए आर. ई. सी. के लिए भी आपके पास समान आंकड़े हैं ?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

देखिए, इस समय हमारे पास आर. ई. सी. के लिए कोई आंकड़े नहीं हैं।



प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

हमारे पास इस समय वे नहीं हैं ।

कुशान पारिख, विश्लेषक

ओके । और सर, ओपेक्स पक्ष पर, निश्चय ही, वे बहुत छोटे आंकड़े हैं किंतु वे बहुत अस्थिर आंकड़े हैं जैसे तिमाही से तिमाही । ऐसा कौन सा कारण है कि इस समय वे इतने निम्न हैं। तो क्या वे सामान्यीकृत संख्याएं होंगी अथवा लागत आय वे सामान्यीकृत आय आंकड़ों के लिए, आपको लगता है कि आगे बढ़ना चाहिए ?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

क्या आप विशेष रूप से उल्लेख करेंगे कि आप किन आंकड़ों की बात कर रहे हैं ?

कुशान पारिख, विश्लेषक

सर, ये छोटे - मैं अभी आपको बताता हूं । मूल रूप से यह प्रथम रूप से सी. एस. आर. के लिए अस्थिर है और तब, यदि आप देखें कल्याण व्यय, कर्मचारी कल्याण व्यय और ये सभी छोटे-छोटे आंकड़े बहुत भिन्न-भिन्न हैं।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

मेरे कुल व्ययों की तुलना में ये आंकड़े बहुत छोटे हैं।

कुशान पारिख, विश्लेषक

ठीक है, सर ।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

सी. एस. आर. वास्तविक आधार पर है। ये वो राशि है जो हमने इस विशेष तिमाही में खर्च की है। पहले हम प्रोद्भूत आधार पर या कुल देयता आधार पर के लिए उत्तरदायी थे। अतः यह किसी भी समय अलग हो सकता है, क्योंकि वास्तविक व्यय तिमाही से तिमाही आधार पर भिन्न है, यदि कुल आंकड़ों से तुलना की जाए तो ये कर्मचारी लाभ बहुत छोटी राशि है।

कुशान पारिख, विश्लेषक

हां, जरूर । और सर, सॉरी, एक और प्रश्न, इस प्रावधान पक्ष के लिए, आपने निश्चय ही सभी प्रबलित ऋणों के औसत प्रावधान दिए हैं, किंतु क्या इन सभी परियोजनाओं में प्रावधान प्रदान किए हैं, किंतु क्या इन सभी परियोजनाओं में प्रावधान निम्न हैं ? प्रबलित परियोजनाओं में आपके द्वारा धारित न्यूनतम प्रावधान क्या हैं ? और अधिकतम क्या है ? क्या आप कुछ संकेत दे सकते हैं ?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

कुछ परियोजनाओं में अधिकतम 100 प्रतिशत है। और इस प्रकार, तदनुसार औसत प्रावधानीकरण 52 प्रतिशत है। किंतु कुछ परियोजनाओं में यह 40 प्रतिशत है, कुछ परियोजनाओं में यह 60 प्रतिशत है। यह उनके प्रकार पर निर्भर करता है।

कुशान पारिख, विश्लेषक

ठीक है । और सिर्फ इस प्रश्न पर बताएं कि अगर आप देख रहे हैं कि सरकार द्वारा आरंभ की गई एक सी. पी. एस. ई. निधि है और सी. पी. एस. ई. निधि को सरकार से पणधारिता से कुछ बिक्री भी की गई है। और तब हम देखते हैं कि इस राजकोषीय वर्ष में समयावधि में पी. एफ. सी. में सरकारी धारिता में गिरावट आ रही है, क्योंकि उन्हें स्वतंत्र लक्ष्यों को पूरा करने की जरूरत है। तो उस संदर्भ में, क्या आप पी. एफ. सी. में इस राजकोषीय वर्ष में सरकारी धारिता में गिरावट आने की आशा करते हैं ?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

देखिए, जुलाई माह में एक ई. टी. एफ. घटित हो चुका है। अतः पी. एफ. सी. में इस समय सरकारी धारिता 56 प्रतिशत है, किंतु हमने मंत्रालय के साथ पहले ही समझौता समाप्त कर चुके हैं और हम पी. एफ. सी. में सरकार द्वारा और अधिक विनिवेश की आशा नहीं करते ।

कुशान पारिख, विश्लेषक

ओके, सर ओके, बहुत-बहुत धन्यवाद।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

बहुत-बहुत धन्यवाद ।



संचालक

धन्यवाद । अगला प्रश्न अंबिका फिनकैप से निषिद शाह की लाइन से है। कृपया आरंभ करें।

निषिद शाह, विश्लेषण

सर्वप्रथम, मेरा प्रश्न डिवीडेंड पर था, कि आप छूट प्राप्त करते हैं और आपने पिछले वर्ष लाभांश अदा नहीं किया था। किंतु आप देखिए कि आप अपने ट्रेक रिकार्ड को जारी रखने के लिए एक सांकेतिक लाभांश अदा कर सकता था। अब यह घटित हुआ है कि आपने लाभांश का एक विलक्षण रिकार्ड खो दिया है। तो मेरा कहने का अर्थ है कि आप कम से कम एक सांकेतिक डिवीडेंड अदा कर सकते थे और अपने बहुत प्रभावशाली डिवीडेंड ट्रेक रिकार्ड को जारी रख सकते थे।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

उस प्रभावशाली रिकार्ड को हम अगले वर्ष पुनः स्थापित करेंगे।

निषिद शाह, विश्लेषक

किंतु, अभी एक अंतरिम लाभांश देने से आपको कौन रोकता है।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

हम सही समय पर इसकी घोषणा करेंगे ।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

देखिए, वह मुद्दा, जिसकी आप सच में प्रशंसा करेंगे कि आर. ई. सी., पी. एफ. सी. की अधीनस्थ कंपनी बन गया है, ठीक है, और हमने डिवीडेंड क्रेडिट भी प्राप्त किया है। मान लीजिए, मैं सोचता हूँ कि, मुझे आर. ई. सी. से डिवीडेंड मिलता है, तो वह कर जो उन्होंने उस डिवीडेंड पर अदा किया है, मुझे उस राशि का क्रेडिट मिलेगा । तो यह स्पष्ट है कि हम आर. ई. सी. द्वारा पहले डिवीडेंड की घोषणा करने की प्रतीक्षा कर रहे हैं और तत्काल हम हमारा लाभांश घोषित कर देंगे ताकि कर का लाभ मिल सके ।

निषिद शाह, विश्लेषक



और मेरा दूसरा प्रश्न - ऋण वृद्धि पर, हम चालू वर्ष में कितनी ऋण वृद्धि की उम्मीद करते हैं ?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

पिछले वर्ष 13 प्रतिशत था, हम इसे बनाए रखेंगे ।

निषिद शाह, विश्लेषक

और आगे बढ़ते हुए, आप अपनी परिसंपत्ति गुणवत्ता को किस प्रकार देखते हैं, क्योंकि पिछली तिमाही में आपने 500 करोड़ रूपए बट्टे खाते डाले (written back) थे। इस तिमाही आपने 250 करोड़ रूपए उपलब्ध कराए हैं। क्या आप एक विचार प्रस्तुत कर सकते हैं कि पैन आउट के लिए आप अगले नौ महीने तक कैसे आशा करते हैं ?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

आज की तारीख तक, हमें इस वर्ष के दौरान किसी अन्य परियोजना के एन. पी. ए. में जाने की आशा नहीं है।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

अतः, केवल एक परियोजना सुजलॉन है जो इस तिमाही में दबाव में परिवर्तित हुई है। अन्यथा, हम ने परिसंपत्तियों में से एक में प्रावधान में वृद्धि की है। इस प्रकार, आंकड़ा, 220 प्राप्त हुआ है।

संचालक

हस्तक्षेप के लिए क्षमा चाहता हूँ मि० शाह ।

निषिद शाह, विश्लेषक

जी, हां ।

संचालक

सर, क्या हम आपसे प्रश्न पंक्ति में जाने का अनुरोध कर सकते हैं ? और भी प्रतिभागी



अपनी बारी की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

निषिद शाह, विश्लेषक

ठीक है। मैं ऐसा ही करूंगा।

संचालक

धन्यवाद। अगला प्रश्न फिडेलिटी से इशिता की लाइन से है। कृपया प्रश्न आरंभ करें।

इशिता गुप्ता, विश्लेषक

सर, धन्यवाद। (तकनीकी खराबी)

संचालक

हस्तक्षेप के लिए क्षमा चाहता हूँ, इशिता। हम आपको नहीं सुन पा रहे।

इशिता गुप्ता, विश्लेषक

क्षमा कीजिए, क्या मुझे सुन पा रहे हैं ?

संचालक

इशिता, आप बहुत धीरे बोल रही हैं।

इशिता गुप्ता, विश्लेषक

हेलो ! क्या अब मुझे सुन पा रहे हैं ?

संचालक

थोड़ा बेहतर है। कृपया प्रारंभ करें।

इशिता गुप्ता, विश्लेषक



जी हां, प्रश्न लेने के लिए धन्यवाद, हेलो ?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

जी हां, कृपया बताएं ।

इशिता गुप्ता, विश्लेषक

जी, हां, जैसाकि आपने अभी उल्लेख किया है कि आपने एक ऋण पर प्रावधान में वृद्धि की है । तो मैं प्रावधान- बढ़े हुए प्रावधान पर कुछ राय चाहती थी । तो यह मूल रूप से आंतरिक संदर्श (परिप्रेक्ष्य) अथवा संकल्पों के कारण है जिनकी हम आशा कर रहे थे अथवा वह किसी बाहरी आर्थिक परिप्रेक्ष्य के कारण है। मैं केवल बढ़े हुए प्रावधान पर कुछ राय, वस्तुतः कुछ सहायता चाहती थी।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

आंध्र प्रदेश राज्य में कोनासीमा यह एक गैस आधारित परियोजना है और पिछले कुछ समय से यह एन. पी. ए. है। इसलिए हमने इसमें 100 प्रतिशत प्रावधान किया है। यह अव्यवहार्य है, क्योंकि गैस उपलब्ध नहीं है।

इशिता गुप्ता, विश्लेषक

ठीक है सर, आगे बढ़ने की बजाय यह एक पुराना प्रावधान है।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

जी, हां ।

इशिता गुप्ता, विश्लेषक

उस तरह से हम भविष्य में इसके नीचे जाने की आशा करते हैं।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

जी, हां ।

इशिता गुप्ता, विश्लेषक



ओके, धन्यवाद सर ।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

बहुत-बहुत धन्यवाद ।

संचालक

धन्यवाद । देवियों और सज्जनों, समय की कमी के कारण, यह हमारा आखिरी प्रश्न है। अब मैं कांफ्रेंस को प्रबंधन को उनकी समापन टिप्पणियों के लिए सौंपता हूँ।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि०:

यह अवसर देने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद ।

संचालक

देवियों और सज्जनों प्रभुदास लीलाधर प्राइवेट लिमिटेड की ओर से आप सबका धन्यवाद । अब हम इस कांफ्रेंस का समापन करते हैं। हमारे साथ भाग लेने के लिए आपका धन्यवाद और अब आप अपनी लाइनें बंद कर सकते हैं । धन्यवाद ।
